

This question paper contains 4+2 printed pages]

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S. No. of Question Paper : 1448

Unique Paper Code : 213301

F

Name of the Paper : Sanskrit Literature—III (Paper VIII)

Name of the Course : B.A. (Hons.) Sanskrit

Semester : III

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

**Note :** Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English; but the same medium should be used throughout the paper..

**टिप्पणी :** अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

भाग 'क'

(Part 'A')

1. निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए :

Translate the following :

(क) कुले प्रसूतिः प्रथमस्य वेधसस्त्रिलोकसौन्दर्यमिवोदितं वपुः ।

अमृग्यमैश्वर्यसुखं नवं वयस्तपः फलं स्यात्किमतः परं वद ॥

5

P.T.O.

अथवा

(Or)

अहो स्थिरः कोऽपि तवेप्सतो युवा चिराय कर्णोत्पलशून्यतां गते ।

उपेक्षते यः श्लथलम्बिनीर्जटाः कपोलदेशे कलमाग्रपिङ्गलाः ॥

(ख) अथाह वर्णी विदितो महेश्वरस्तदर्थिनी त्वं पुनरेव वर्तसे ।

अमङ्गलाभ्यासरतिं विचिन्त्य तवानुवृत्तिं न च कर्तुमुत्सहे ॥

5

अथवा

(Or)

इतो गमिष्याम्यथवेति वादिनी चचाल बाला स्तनभिन्नवल्कला ।

स्वरूपमास्थाय च तां कृतस्मितः समाललम्बे वृषराजकेतनः ॥

2. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

Explain the following :

(क) अनेन धर्मः सविशेषमद्य मे त्रिवर्गसारः प्रतिभाति भाविनि ।

त्वया मनो निर्विषयार्थकामया यदेक एव प्रतिगृह्य सेव्यते ॥

6

अथवा

(Or)

विपत्प्रतीकारपरेण मङ्गलं निषेव्यते भूतिसमुत्सुकेनवा ।

जगच्छरण्यस्य निराशिषः सतः किमेभिराशोपहतात्मवृत्तिभिः ॥

(ख) संस्कृत में व्याख्या कीजिए :

6

Explain in Sanskrit :

यथा श्रुतं वेदविदां वर त्वया जनोऽयमुच्चैः पदलङ्घनोत्सुकः ।

तपः किलेदं तदवाप्तिसाधनं मनोरथानामगतिर्न विद्यते ॥

अथवा

(Or)

विवक्षता दोषमपि च्युतात्मना त्वमैकमीशं प्रति साधु भाषितम् ।

यथामन त्यात्ममुभवोऽपि कारणं कथं स लक्ष्यप्रभवो भविष्यति ॥

3. “उपमा कालिदासस्य” पर एक टिप्पणी लिखिए ।

10

Write a note on “उपमा कालिदासस्य”.

अथवा

(Or)

कुमारसंभवम् के पञ्चम सर्ग के आधार पर पार्वती का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

Describe the character of Parvati on the basis of 5th Canto of Kumarsambhavam.

भाग 'ख'

(Part 'B')

4. निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए :

Translate the following :

(क) इदं किलाव्याजमनोहरं वपुस्तपः क्षमं साधयितुं य इच्छति ।

ध्रुवं स नीलोत्पलपत्रधारया शमीलतां छेतुमृषिर्व्यवस्यति ॥

5

अथवा

(Or)

रम्यान्तरं कमलिनीहरितैः सरोभिश्छायाद्भूमैर्नियमितार्कमयूखतापः ।

भूयात् कुशेशयरजोमृदुरेणुरस्याः शान्तानुकूलपवनश्च शिवश्च पन्थाः ॥

(ख) रम्याणि वीक्ष्य मधुरांश्च निशम्य शब्दान् पर्युत्सुको भवति यत्सुखितोऽपि जन्तुः ।

तच्चेतसा स्मरति नूनमबोधपूर्वं भावस्थिराणि जननान्तरसौहृदानि ॥

5

अथवा

(Or)

आलक्ष्यदन्तमुकुलाननिमित्तहासैरव्यक्तवर्णरमणीयवचः प्रवृत्तीन् ।

अङ्काश्रयप्रणयिनस्तनयान् वहन्तो धन्यास्तदङ्गरजसा मलिनी भवन्ति ॥

5. निम्नलिखित की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए :

Explain the following with reference to the context :

(क) मानुषीषु कथं वा स्यादस्य रूपस्य संभवः ।

न प्रभातरलं ज्योतिरुदेति वसुधातलात् ॥

7

अथवा .

(Or)

दुष्यन्तेनाहितं तेजो दधानां भूतये भुवः ।

अवेहि तनयां ब्रह्मन्नग्रिगर्भा शमीमिव ॥

(ख) अतः परीक्ष्य कर्तव्यं विशेषात्संगतं रहः ।

अज्ञातहृदयेष्वेवं वैरीभवति सौहृदम् ॥

7

अथवा

(Or)

मनोरथाय नाशंसे किं बाहो स्पन्दसे वृथा ।

पूर्वावधीरितं श्रेयो दुःखं हि परिवर्तते ॥

6. कालिदास की रचनाओं में प्रकृति-चित्रण का विवेचन कीजिए ।

10

Discuss the depiction of Nature in the works of Kalidasa.

अथवा

(Or)

“अभिज्ञानशाकुन्तलम्” के आधार पर शकुन्तला के चरित्र की प्रमुख विशेषताएँ बताइए ।

Describe the salient features of Shakuntala's character on the basis of the “अभिज्ञानशाकुन्तलम्”.

P.T.O.

7. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए :

9

Write notes on any *three* of the following :

- (i) प्रस्तावना
- (ii) नेपथ्य
- (iii) विदूषक
- (iv) भरतवाक्य
- (v) कञ्चुकी ।